आजीविका
(विशेष परियोजना)
(आरोह फाउंडेशन द्वारा संचालित, ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार की योजना)

गरीबी रेखा के नीचे युवक-युवतियों के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर

संस्करण 01- अप्रैल 2014

आरोह-आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन

- **बुन्देलखण्ड के साथ–साथ झारखण्ड के गिरीडीह और बिहार के नालंदा जिले में भी खोला गया प्रशिक्षण केन्द्र**
- **ग्रामीण बीपीएल लाभार्थियों को हॉस्पिटैलिटी, सेल्स रिटेल और एमएसटी ट्रेड में मिलेगा निःशुल्क प्रशिक्षण**

आरोह फाउंडेशन द्वारा संचालित आजीविका (विशेष परियोजना) के तहत 18–35 आयु वर्ग के ग्रामीण बीपीएल लाभार्थियों को रोजगार हेतु निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए झारखंड के गिरीडीह जिले के माहुर ग्राम में आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन किया गया। प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य श्री जगन्नाथ मंडल द्वारा किया गया। इस अवसर पर पंचायत प्रतिनिधि और 75 पंजीकृत लाभार्थी मौजूद थे। केन्द्र के उद्घाटन के बाद मुख्य अतिथि ने लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि– "भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय की तरफ से संचालित इस कार्यक्रम से ग्रामीण क्षेत्र के बीपीएल युवाओं को रोजगार से जुड़ने का अवसर मिलेगा। यह परियोजना गिरीडीह जिले के लिए वरदान सिद्ध होगी। हम सभी युवाओं को आरोह फाउंडेशन का आभारी होना चाहिए कि वह इस तरह की कल्याणकारी योजना का संचालन हमारे जिले में कर रही है। इस अवसर पर परियोजना समन्वयक त्रिपुरारी दत्ता, सेंटर संचालक उपेन्द्र कुशवाहा, ट्रेनर दुर्गेश सिंह और उदय शंकर शाही मौजूद थे।

नांलदा जिले के सिलाव ब्लाक में आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन करते समाजसेवी श्री सत्यनारायण सिंह

इसी प्रकार नालंदा जिले के सिलाव ब्लॉक में आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री सत्यनारायण सिंह (समाजसेवी) द्वारा किया गया। केन्द्र के शुभारम्भ से पूर्व लाभार्थियों के कल्याण के लिए श्री भगवान सत्यनारायण की पूजा की गई। पूजा के बाद केन्द्र पर रिबन काटा गया और मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित भी किया गया। इस अवसर पर विभिन्न ट्रेड के 90 लाभार्थी कार्यक्रम में मौजूद थे। मुख्य अतिथि ने लाभार्थियों को प्रशिक्षण की महत्ता बताई और रोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र संचालक संतोष झा और ट्रेनर रवि प्रकाश सिंह द्वारा किया गया।

इसके साथ ही बुन्देलखण्ड में भी पांच नये प्रशिक्षण केन्द्र खोले गए।

इस अंक में

- *आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन*
- *आरोह–आजीविका लाभार्थियों को मिला प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र*
- *लाभार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन*
- *मतदाता जागरूकता कार्यक्रम*
- *लाभार्थी की कलम से – अमर पुष्पद, समर सिंह, आरिफ बेग*
- *मीडिया में आरोह–आजीविका*

बुन्देलखण्ड में खोले गए नए प्रशिक्षण केन्द्र

1.जालौन जिले के एट ब्लाक मे
(कोथरा रोड, मोनिका पैलेस के पास)

2.दमोह जिले के जबेरा ब्लाक मे
(वार्ड न. 12, ग्राम पंचायत भवन के पास)

3.टीकमगढ़ जिले के जतारा ब्लाक मे
(न्यू कोर्ट कालोनी, वार्ड न. 14)

4.सागर जिले के मकरोनिया ब्लाक मे
(एच.आई.जी – 26, गौर नगर)

5.दमोह जिले के तेंदूखेड़ा ब्लाक मे
(म.स0. 4, वार्ड न0. 8, विद्यानगर)

आरोह-आजीविका लाभार्थियों को मिला प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र

बुंदेलखंड के छतरपुर जिले में संचालित छतरपुर, बिजावर और बड़ामलहरा केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र वितरित किया गया। बिजावर ब्लॉक में संचालित केन्द्र पर मुख्य अतिथि श्री रूप किशोर खरे (पूर्व प्राचार्य, अध्यक्ष पेंशन एसोसिएशन) द्वारा 10 अप्रैल को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। छतरपुर केन्द्र पर मल्टीस्किलड तकनीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थियों को सेंटर संचालक देवेन्द्र कुशवाहा द्वारा प्रमाणपत्र वितरित किया गया। वहीं बडामलहरा केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त सेल्स–रिटेल व मल्टीस्किल्ड तकनीशियन ट्रेड के लाभार्थियों को मुख्य अतिथि श्री गणेश विश्वकर्मा (स्थानीय पार्षद) द्वारा 11 अप्रैल को प्रमाणपत्र वितरित किया गया। इसी क्रम में दमोह जिले के पथरिया में संचालित आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र पर 11 अप्रैल को आईटीईएस और मल्टीस्किल्ड तकनीशियन ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त किए हुए लाभार्थियों को सेंटर संचालक सोहन मोरिया द्वारा प्रमाणपत्र वितरित किया गया। लाभार्थियों को प्रमाणपत्र के साथ ही उन्हें स्थानीय व दिल्ली एनसीआर की प्राइवेट कंपनियों में नौकरी के अवसर भी प्रदान किए गए।

छतरपुर जिले के बीजावर प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रमाणपत्र ग्रहण करते लाभार्थी

लाभार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

गिरीडीह जिले के माहुर ग्राम में स्थित आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र पर हॉस्पिटैलिटी और सेल्स रिटेल ट्रेड में पंजीकृत लाभार्थियों को योजना के बारे में बताने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लाभार्थियों के मनोरंजन हेतु प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें नींबू दौड़, बोरा दौड़, म्यूजिकल कुर्सी दौड़ में लाभार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माहुर ग्राम की मुखिया श्रीमती सीमा देवी ने प्रतियोगिता में जीते हुए लाभार्थियों को पुरस्कार वितरित किया। कार्यक्रम के अन्त में मुख्य अतिथि ने कहा कि– इस तरह की प्रतियोगिताओं से ग्रामीण युवाओं के व्यक्तित्व का विकास होगा और वह प्रशिक्षण केन्द्र पर भी पूरा मन लगाकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। उन्होंने आरोह फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता की सराहना भी की। इस कार्यक्रम में सेंटर संचालक उपेन्द्र कुशवाहा, ट्रेनर उदय शंकर शाही, व दुर्गेश सिंह सहित लगभग 100 लाभार्थियों ने हिस्सा लिया।

जागरूकता कार्यक्रम के दौरान प्रतियोगिता में भाग लेते लाभार्थी

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम

लोकतंत्र के महापर्व पर मतदाता को जागरूक करने के बहुत से विज्ञापन टीवी और अखबारों में जारी किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आरोह फाउंडेशन द्वारा भी नालंदा जिले में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए आरोह–आजीविका लाभार्थियों के साथ मिलकर मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। 11 अप्रैल को आयोजित इस रैली में जनपद वासियों को जागरूक करने के लिए सिलाव प्रशिक्षण केन्द्र से दोपहर 12 बजे रैली निकाली गई। रैली बाईपास रोड़ होते हुए गोला रोड़ और तिनमुही मोड़ के रास्ते सिलाव बाजार की विभिन्न गलियों से होते हुए पुलिस स्टेशन रोड़ के रास्ते निकाली गई। रैली में लाभार्थियों ने हाथों में तख्तियां लेकर नारे लगाए ना चोट से ना नोट से, फैसला करेंगे वोट से, जागो मतदाता–करो मतदान आदि नारे लगाए। इस अवसर पर सेंटर संचालत संतोष कुमार झा, रवि प्रकाश, बैजू कुमार, पिंटू कुमार सहित लगभग 90 लाभार्थियों ने हिस्सा लिया।

सिलाव प्रशिक्षण केन्द्र पर मतदाता जागरूकता रैली निकालते आरोह–आजीविका लाभार्थी

सफल लाभार्थी

अमर पुष्पद
लाभार्थी, आरोह–आजीविका
बिजावर, छतरपुर, म.प्र.

अमर पुष्पद छतरपुर जिले के रतनगंज गांव का रहने वाला है। इसके जीवन की आपबीती कुछ ऐसी है कि वह उसे दोबारा याद नहीं करना चाहता है। अमर जब अपनी आपबीती सुनाता है तो उसकी आंखों से आंसू छलक उठते हैं। अमर के बचपन का दर्द भी कुछ ऐसा ही था। वह कहता है जब वह छोटा था तो उसके मां–बाप उसका पेट भरने के लिए मिलकर मेहनत करते थे। कभी–कभी तो उसके मां–बाप बिना कुछ खाए ही रात में सो जाते थे क्योंकि उसके घर में खाने के लिए कुछ भी नहीं रहता था। अमर अपने गरीबी के दिनों में भी 12वीं की पढ़ाई पूरी किया और अपने परिवार की मदद के लिए नौकरी की तलाश में लगा रहा। लेकिन बिजावर जैसे छोटे कस्बे में उसे रोजगार के लिए क्या मिल सकता था। एक दिन उसके दोस्तों ने आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र के बारे में बताया जो कि बीपीएल लाभार्थियों के लिए बिजावर में निःशुल्क चलाई जा रही है। अमर आरोह–आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र पर जाकर अपना नामांकन करवाया और एमएसटी ट्रेड में 3 माह के सफल प्रशिक्षण के बाद भोपाल स्थित वर्धमान यार्न लिमिटेड कम्पनी में 4600 रुपये की मासिक नौकरी लगवाई गई। अमर अपनी नौकरी से बहुत खुश है। आज अमर का पूरा परिवार आरोह फाउंडेशन और आजीविका विशेष परियोजना से बहुत खुश है और दिल से आभार व्यक्त करता है।

समर सिंह
लाभार्थी, आरोह–आजीविका
जालौन, उत्तर प्रदेश

मेरा नाम समर सिंह है। मैं जालौन जिले के नदिगांव ब्लॉक स्थित कैलिया गांव में रहता हूं। मेरे पिता का नाम राजाराम है, पिता जी मजदूरी करके परिवार का पालन–पोषण करते हैं। परिवार में कमाने वाले सिर्फ मेरे पिता जी है जिससे मेरे परिवार का खर्च नहीं चलता था। इस कारण मैं अपने परिवार की मदद करने के लिए अपने शहर के एक दुकान पर सेल्स मैन की नौकरी करने लगा वहां से मुझे महीने के 1500 रुपये मिलते थे। मैं हर वक्त अच्छी नौकरी की तलाश में रहता था लेकिन मेरे पास कम योग्यता की वजह से मुझे हर जगह से नौकरी के लिए मना कर दिया जाता था। एक दिन मेरे एक मित्र ने मुझे आरोह फाउंडेशन के बारे में बताया जहां पर निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। मैं अगले दिन जालौन स्थित प्रशिक्षण केन्द्र पर जाकर अपना नामांकन सेल्स रिटेल ट्रेड में करवाया। प्रशिक्षण केन्द्र से 3 माह का निःशुल्क प्रशिक्षण पूरा करने के बाद मुझे आरोह फाउंडेशन द्वारा गुड़गांव स्थित स्पेंसर में नौकरी दिलवाई गई। वहां पर मुझे 5,650 रुपये मासिक वेतन मिलता है। मैं अपने सपने को साकार होता देख खुद को गौरवान्वित महसूस करता हूं। अब मैं नौकरी के साथ–साथ अपनी स्नातक की पढ़ाई भी पूरी कर रहा हूं। मैं अपनी सफलता का पूरा श्रेय आरोह फाउंडेशन और आजीविका विशेष परियोजना को देता हूं जिसकी बदौलत आज मैं नौकरी कर रहा हूं।

आरिफ बेग
लाभार्थी, आरोह–आजीविका
छतरपुर

मेरा नाम आरिफ बेग है। मै छतरपुर जिले के कुर्राहा ग्राम का निवासी हूँ। मेरे परिवार मे कुल पांच सदस्य है। मेरे पिताजी साईकिल सुधारने का कार्य करते है। मैं अपने घर मे सबसे बड़ा हूं। मै इतना तो अवश्य जानता हूं कि हर मां–बाप अपनी संतान से ज्यादा से ज्यादा उम्मीद लगाए हुए बैठे रहते है। कि मेरा बेटा मुझे हर सुख देगा। तथा हमारी हर अभिलाषाओं पर खरा उतरेगा। जिस कारण परिवार की पूरी जिम्मेदारी मेरे उपर है। घर की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय थी । मैं 12वीं कक्षा तक पढ़ाई किया। पैसे की तंगी के चलते पढ़ाई बन्द हो गई। कभी–कभी तो मुझे और मेरे परिवार वालो को कई दिन फाके मे गुजारने पड़े। यह सब मै कैसे देख पाता,मैं रोजगार की तलाश मे घूमने लगा। मै अपने दोस्तों से कहने लगा भाई अगर कही नौकरी मिले तो बताना लेकिन मुझे कहीं अच्छी नौकरी नही मिली। नौकरी न मिलने के कारण मैं हताश होने लगा, यूं कहिए कि मेरा भगवान के उपर से भी विश्वास हटने लगा। परिवार की चिंता मुझे और अधिक परेशान करने लगी । मुझे रातो को नींद नही आती थी। मै पूरी रात इसी चिंता मे जागता रहता। एक दिन मेरे गांव कुर्राहा मे आरोह फाउण्डेशन के अधिकारी शमशुल हक जी आए और उन्होंने मुझे आरोह फाउण्डेशन के द्वारा चलाए जा रहे आजीविका विशेष कार्यक्रम के बारे मे संपूर्ण जानकारी दी। मैं अगले दिन केन्द्र पर जाकर अपना दाखिला करवाया। यहां पर मैने तीन माह का निःशुल्क प्रशिक्षण केन्द्र पर मल्टी स्किल्ड तकनीशियन, सामान्यज्ञान के साथ–साथ पर्सनालिटी डेवलपमेंट के बारे मे बताया गया।

प्रशिक्षण के बाद मेरी नौकरी रायसेन जिले के मण्डदीप सतलापुर मे वर्धमान यार्नस कम्पनी मे लगवाई गयी। जहां पर मुझे शुरुआत मे 5,500 रुपये मासिक वेतन मिल रहा है। अब मैं बहुत खुश हूं। आरोह फाउण्डेशन और आजीविका विशेष परियोजना को धन्यवाद देता हूँ। जिन्होंने मुझे जिन्दगी की नयी राह दिखाई है।

मीडिया में आरोह–आजीविका (विशेष परियोजना)

नालंदा और आसपास | राजगीर

आजीविका के आरोह फाउंडेशन से दो जिलों में नालंदा का भी चयन

बीपीएल के युवाओं को मिलेगी नि:शुल्क ट्रेनिंग

सिलाव| निज संवाददाता

गरीबी में पले-बढ़े और कुछ करने की जज्बा रखने वालों को सरकार हर तरह से सहयोग करने को तैयार है। उक्त बातें सिलाव नगर पंचायत स्थित विश्वकर्मा नगर में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा चलायी जा रही आजीविका विशेष परियोजना कार्यालय का उद्घाटन समारोह में सेवानिवृत्त शिक्षक व समाजसेवी सत्यनारायण सिंह ने कही।

ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे वाले परिवार के शिक्षित युवक-युवतियों को नि:शुल्क कम्प्यूटर, मार्केटिंग, होटल मैनेजमेंट आदि का प्रशिक्षण के साथ-साथ प्रतिदिन 50 रुपया नकद भी दिया जायेगा।

वह प्रशिक्षण भारत सरकार के निर्देशानुसार आजीविका विशेष परियोजना आरोह फाउंडेशन द्वारा बिहार राज्य के मात्र दो जिलों में नालंदा एवं गया में दिया जा रहा है। कार्यालय उद्घाटन के पहले दिन ही 75 युवक और 15 युवतियों ने अपना नामांकन दाखिल कराया। इस अवसर पर संतोष कुमार झा, रवि प्रकाश सिंह, विजय कुमार, पिन्टु कुमार, जीतेन्द्र पासवान सहित कई लोग मौजूद थे।

सिलाव जीविका ट्रेनिंग सेंटर में मंगलवार को स्वरोजगार की ट्रेनिंग लेतीं महिलाएं

विकास की पहल

- आजीविका परियोजना कार्यालय का उद्घाटन समारोह
- गरीब युवाओं को नि:शुल्क रोजगारोन्मुखी ट्रेनिंग मिलेगी

दैनिक जागरण धनबाद, 2 अप्रैल 2014

प्रशिक्षण से युवाओं को मिलेगा रोजगार

- आजीविका प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

संस, बेंगाबाद (गिरिडीह) : भारत सरकार के कार्यक्रम आजीविका मिशन के तहत मंगलवार को महुआर में आरोह फाउंडेशन की ओर से आजीविका प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया, जिसमें प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों बेरोजगार युवकों ने भाग लिया। कार्यालय का उद्घाटन करते हुए प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर त्रिपुरारी दत्ता ने कहा कि हजारीबाग, बोकारो, धनबाद आदि जिलों में प्रशिक्षण केंद्र चल रहे हैं। इन केंद्रों से प्रशिक्षित युवक कई जगहों पर रोजगार का सृजन कर स्वावलंबी भी हो चुके हैं। कहा कि इस कार्यक्रम के तहत 18 से 35 वर्ष के ग्रामीण बीपीएल युवक-युवतियों को निश्शुल्क प्रशिक्षण के जरिए रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य है। प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षित बेरोजगारों को सेल्स रिटेल, हास्पलिटी ट्रेड, मल्टी स्कील, तकनीशियन आदि का प्रशिक्षण तीन माह तक निश्शुल्क दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद लाभार्थियों को दिल्ली के एनसीआर व स्थानीय स्तर पर प्राईवेट कंपनियों में रोजगार के बेहतर अवसर भी प्रदान किए जायेंगे। रोजगार से जुड़ने के बाद लाभार्थियों को पहले दो माह तक एक-एक हजार रुपया आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाएगी, ताकि लाभार्थियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। मौके पर जगरनाथ मंडल, केन्द्र संचालक उपेन्द्र कुशवाहा, प्रशिक्षक दुर्गेश कुमार, उदय शंकर साही के अलावा नंदलाल नंदन, महेन्द्र त्रिवेदी, महेन्द्र महतो, जयलाल चौधरी, नारायण पासी, प्रभु पासी सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान

गिरिडीह

5 • धनबाद • बुधवार • 02 अप्रै

प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

बेंगाबाद। महुआर में मंगलवार को आरोह आजीविका प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन किया गया। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित इस योजना को आरोह फांउडेशन द्वारा झारखंड प्रदेश के गिरिडीह जिले में संचालित किया जा रहा है। इसके पूर्व हजारीबाग, बोकारो, धनबाद आदि जिले में प्रशिक्षण केन्द्र चल रहा है। इन केन्द्रों से प्रशिक्षित युवक कई जगहों पर रोजगार का सृजन कर स्वावलंबी भी हो चुके हैं। 18 से 35 साल के ग्रामीण बीपीएल युवक युवतियों को नि:शुल्क प्रशिक्षण के जरिये रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य है।

धनबाद, बुधवार, 2 अप्रैल, 2014
www.prabhatkhabar.com 05

प्रभात खबर \ गिरिडीह

गिरिडीह अपडेट

प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन

बेंगाबाद. भारत सरकार के कार्यक्रम आजीविका मिशन द्वारा मंगलवार को महुआर में आरोह फाउंडेशन के द्वारा आजीविका प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया गया. इसमें प्रखंड क्षेत्र के दर्जनों बेरोजगार युवकों ने भाग लिया. कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए प्रोजेक्ट को-ऑर्डिनेटर त्रिपुरारी दत्ता ने कहा की इसके पूर्व हजारीबाग, बोकारो, धनबाद आदि जिले में प्रशिक्षण केंद्र चल रहा है. कार्यक्रम के तहत 18 से 35 साल के बीपीएल युवक-युवतियों को निःशुल्क प्रशिक्षण के जरिये रोजगार से जोड़ना है. प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षित बेरोजगारों को सेल्स रिटेल, हॉस्पिलिटी ट्रेड, मल्टी स्कील तकनीशियन आदि का प्रशिक्षण तीन माह तक निःशुल्क दिया जायेगा. प्रशिक्षणोपरांत लाभार्थियों को दिल्ली के एनसीआर व स्थानीय स्तर पर प्राइवेट कंपनियों में रोजगार के बेहतर अवसर भी प्रदान किये जायेंगे. मौके पर जगन्नाथ मंडल, केंद्र संचालक उपेंद्र कुशवाहा, प्रशिक्षक दुर्गेश कुमार, उदय शंकर साही के अलावा नंदलाल नंदन, महेंद्र त्रिवेदी, महेंद्र महतो, जयलाल चौधरी, नारायण पांसी, प्रभु पांसी आदि उपस्थित थे.

...त्र मतदाता 1,78,537 हैं। | **हिन्दुस्ता...**

छोड़ो अपने सारे काम पहले चलो, करें मतदान

हरनौत | निज प्रतिनिधि

नहीं लगे कोई कैंडीडेट हमारा, तब भी जाकर नोटा बटन है दबाना। नारे के साथ पंचायत लोक शिक्षा केंद्र, गोनावां के साक्षरता कर्मियों ने प्रखंड की गोनावां पंचायत के बूथ संख्या 80 के अंतर्गत आने वाले नगीवचक, हुसैनखंधा, छतियाना व गोनावां गांव में मतदाता जागरूकता रैली निकाली।

रैली के दौरान सभी गांव और टोलों में नुक्कड़ सभा के माध्यम से वोटरों को उनके वोट की अहमियत भी समझाई गई। रैली का नेतृत्व कर रहीं वरीय प्रेरक प्रेमलता ने बताया कि पिछले चुनाव के दौरान इस बूथ पर मात्र बीस फीसदी वोट पड़े थे। नुक्कड़ सभा में कार्यक्रम समन्वयक रामबली प्रसाद ने बताया कि जानकारी के अभाव में वोटर अपने वोट का इस्तेमाल नहीं करते हैं। यही वजह है कि कम वोटिंग के चलते उन्हें सही प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाता है। इसकी कसर खुद वोटर को ही उठानी पड़ती है। रैली के दौरान छोड़ो अपने सारे काम, पहले चलो करें मतदान। एक वोट से होती जीत और हार, वोट कोई ना जाए बेकार।...आदि नारों से जागरुकता बढ़ाई गई। रैली में रंजन कुमार सिंह, अविनाश कुमार मेहता, एचएम सुभद्रा कुमारी सिंह, चंदन कुमार, बलवीर कुमार चक्रवर्ती, विपीन कुमार, सुनीता देवी, सुशीला नैय्यर, लाबाबू, मनोरमा कुमारी व अन्य उपस्थित थे।

जागरूकता रैली निकाली

सिलाव । सिलाव प्रखंड के धामर, सरमेरा, तेतर बिगहा गांव में जीविका की सैकड़ों महिलाओं एवं पुरुषों ने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए प्रभातफेरी निकाली।

इसी प्रकार, आजीविका आरोह फाउंडेशन की सैकड़ों महिलाओं व पुरुषों ने सिलाव के विश्वकर्मा नगर से तिनमुहानी, गोला रोड व बाइपास होते हुए सिलाव बाजार में मतदाता जागरूकता रैली निकाली। (नि.सं.)

अपीलः

सभी ग्राम प्रधान, बीडीओ, डीआरडीए, और सम्माननीय अधिकारियों से निवेदन है कि इस कार्यक्रम के तहत आप हमारा पूरा सहयोग करें। जिससे हम इस योजना का लाभ सही और जरूरतमंद लोगों तक पहुँचा सकें। धन्यवाद!

Published by AROH Founadation | F 52, Sector 8, NOIDA 201301 | www.aroh.in | arohfoundation@gmail.com | 0120-432802-08